अपील

आज हिंदी दिवस है। भारत देश में सर्वाधिक लोगों द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा होने के कारण आज ही के दिन भारत के संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। तब से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उस दिन से आज तक हिंदी को सरकारी कामकाज की भाषा के तौर पर उपयोग में लाने की दिशा में हम लगातार प्रयत्नशील रहे हैं।

हिंदी को सही मायने में कार्यालय में राजभाषा के रूप में स्थापित करने के लिए यह जरूरी है कि हिंदी का उपयोग अनुवाद की भाषा के रूप में न करके मूल रूप से किया जाए। सभी सरकारी कार्यों विशेषकर टिप्पणियों और पत्रों के प्रारूप मौलिक रूप से हिंदी में ही तैयार किए जाएं और सरकार के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। परिषद मुख्यालय के सभी कम्प्यूटरों पर हिंदी में काम करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस इंडिक इन्स्टॉल किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा कार्य हिंदी में किया जाना सुनिश्चित हो सकता है।

हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हम जो भी नए कीर्तिमान बनाएं, उसका लाभ आम जनता तक पहुंचे। इसके लिए यह आवश्यक है कि विज्ञान और तकनीकी साहित्य में पारिभाषिक शब्दावली के अलावा सरल शब्दावली और शैली का उपयोग किया जाए जिससे कि वह आसानी से समझ में आ सके। यह कोई कठिन कार्य नहीं है क्योंकि विदेशी भाषाओं की तुलना में हमारी शब्द संपदा काफी समृद्ध है।

राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कार्यालय में अनुकूल वातावरण बनाना अनिवार्य है। गूगल ट्रांस्लिटरेशन जैसे डिजिटल टूल्स की सहायता से वरिष्ठ अधिकारी स्वयं हिंदी में काम करने की पहल से अपने अन्य सहयोगियों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

आइए, हिंदी दिवस के अवसर पर हम सभी मिलकर राजभाषा हिंदी को और आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

हिंदी दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

गिरीश साहनी

14 सितम्बर, 2016

(गिरीश साहनी)

महानिदेशक, सीएसआईआर